KU Newsletter

June 2025/ Edition 3, Vol. 1, चैत्र मास, विक्रम संवत २०८२

www.kuk.ac.in

केयू में दाखिलो का महाकुंभ शुरू

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अब पूरी तरह एडमिशन मोड में है। कुवि ने वर्ष 2025–26 के लिए मई माह में एडमिशन शेड्यूल जारी किया। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निर्देशानुसार सभी कोर्सों में दाखिले के लिए सिर्फ विश्वविद्यालय की वेबसा. इट ही आवेदन किया जा सकता हैं। आवेदन स्वीकार करने हेतु 24 मई से पोर्टल सक्रिय है और जानकारी आवेदक निरंतर कुवि की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

विद्यार्थी विश्वविद्यालय के एडमिश पोर्टल (आईयूएमएस) से विभिन्न विभागों के यूजी इंटिग्रेटिड प्रोग्राम्स व पीजी प्रोग्राम्स, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एडमिशन के लिए अलग से लिंक बनाया गया है तथा पूरी लोक संपर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक ब्रांच की ओर से जारी किए गए एडमिशन शेड्यूल के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थी एम अंग्रेजी, हिंदी, पंजाबी, एआईएच, फिलॉसफी, संस्कृत, अर्थशास्त्र, बिजनेस इकोनॉमिक्स, इतिहास, पॉलिटिकल साइंस, डिफेंस एवं स्ट्रैजिक स्टडीज, मनोविज्ञान, लोक प्रशासन, सोशल वर्क, सोशोलॉजी व एमए वूमैन स्टडीज में 24 मई से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही एमए फाइन आर्टस(पेटिंग/अप्लाइड/आर्ट),मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (प्रिटिंग/अप्लाइड आर्ट/प्रिंट मेंकिंग/ ग्राफिक्स/स्कल. पचर), बीएफए(प्रिटिंग/अप्लाइड आर्ट/ स्कल्पचर), एमकाम में भी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एलएलबी 3 वर्ष (प्रोफेसनल), बी.ए. एलएलबी (ऑनर्स) 5 वर्ष इंटीग्रेटेड, एलएलएम, एलएलएम (एसएफएस के तहत), एम.फार्मेसी, एमबीए 2 वर्ष, एमबीए (एसएफएस) 2 वर्ष, एमबीए 5 वर्ष, बीबीए (ऑनर्स),एमटी. टीएम, एमएचएम एंड सीटी, बीएचएम एंड सीटी, पीजी डिप्लोमा इन हॉस्पिटेलिटी एंड इवेंट मैनेजमेंट, एमसीए, एमएससी कम्प्यूटर सांइस साफ्टवेयर, एमलिब, एमए योगा, एमपीएड, बीपीएड, सर्टिफिकेट कोर्स इन योगा, पीजी डिप्लोमा इन योगा, एमए एजुकेशन, एमएड स्पेशल एजुकेशन, बीएड स्पेशन एजुकेशन, चार वर्षीय इंटिग्रेटिड ट्रैनिंग एंड एजुकेशन प्रोग्राम(आईटीईपी)–(बीए. बीएड, बीएससी बीएड एंड बीकाम बीएड), एमए म्यूजि. क(वोकल एंड इंस्ट्रूमेंटल), एमपीए पांच वर्षीय इंटिग्रेटिड कोर्स, एमटैक, एमएससी बायो कैमिस्ट्री, बायो टेक्नोलॉजी, बॉटनी, होम साइंस, माइक्रो बायोलॉजी, जूलोजी, फोरेंसिक साइंस, केमिस्ट्री, इलेक्ट्रॉनिक साइंस, ज्योग्राफी, अप्लाइड जियोलॉजी, एमएससी टेक्नोलॉजी इन एप्लाइड जियो. फिजिक्स, गणित, फिजिक्स व सांख्यिकी में आनलाईन आवेदन कर सकते है।

मीडिया संस्थान में सत्र 2025–26 के दाखिले के लिए बढ़ाई 30 सीटें।

कुवि परिसर : जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में ग्राफिक्स एनिमेशन, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, मल्टी मीडिया व पत्रकारिता के विषय में यूजी व पीजी कोर्स में आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गयी है। गौरतलब बात यह है कि कुवि का मीडिया संस्थान एकमात्र ऐसा संस्थान है जो इन नए विषयों पर जैसे कि ग्राफिक्स एनिमेशन, प्रिंटिंग पैकेजिंग, मल्टी मीडिया पर स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा प्रदान कर रहा है। संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि संस्थान के सभी कोर्सो में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को पूर्णतया लागू किया जा चुका है जिसके तहत् औद्योगिकी इका. इयों से मिलकर सिलेबस और कोर्सो को फ्रेम किया गया है। विद्यार्थियों के लिए सभी कोर्सो में औद्योगिक प्रशिक्षण का भी प्रावधान रखा गया है जिससे विद्यार्थियों को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ावा मिलेग और वो खुद का व्यवसाय भी शुरू कर सकते हैं। एकेडमिक कांउसिल की मीटिंग में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगि. की के क्षेत्र में विद्यार्थियों की बढ़ती रूचि को देखते हुए मीडिया संस्थान कोर्स में सत्र 2025–26 के दाखिले के लिए 30 सीटें बढ़ाई गई हैं। बीएससी ग्राफिक्स एंड एनिमेशन व एवं बीएससी प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग टेक्नोलॉजी की 40 सीटों को बढ़ाकर 50, बीएससी मल्टीमीडिया की 30 को बढ़ाकर 40, की 40 सीटों को बढ़ाकर 50 किया गया है।

आईआईएचएस में पहली बार 4 वर्षीय स्नातक 13 ऑनर्स कोर्स होंगे शुरू।

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज (आईआईएचएस) में पहली बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 स्कीम–सी के तहत् 4 वर्षीय 13 स्नातक ऑनर्स कोर्स इस सत्र से शुरू किए जाएंगे। यह जानकारी आईआईएचएस की प्राचार्या प्रो. रीटा ने दी।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अंतर्गत इसी सत्र से बीएससी विद मेजर इन बॉटनी, बीएससी विद मेजर इन बायोकेमिस्ट्री, बीएससी विद मेजर इन केमिस्ट्री, बीएससी विद मेजर इन फिजिक्स, बीएससी विद मेजर इन गणित, बीएससी विद मेजर इन जूलॉजी, बीएससी विद मेजर इन कंप्यूटर साइंस, बीए विद मेजर इन संस्कृत, बीए विद मेजर इन अंग्रेजी, बीए विद मेजर इन हिंदी, बीए विद मेजर इन इतिहास, बीए विद मेजर इन इकोनॉमिक्स तथा बीए विद मेजर इन साइकोलॉजी कोर्सिज में इस सत्र से आनर्स शुरू की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज (आ. ईआईएचएस) संस्थान की स्थापना आनर्स कोर्सिज के लिए की गई थी। इसके लिए दाखिले की प्रक्रिया 1 जून से शुरू होगी। आनलाइन फार्म भरने की अंतिम तिथि 21 जून निर्धारित की गई है।

कुवि परिसर में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

कुवि परिसर : विश्वविद्यालय परिसर में हर साल की तरह 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि पर्यावरण को लेकर लोगों को जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेवारी है। हम सभी को मिलकर इस जिम्मेवारी का निर्वहन करना है। वे गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर कुलपति निवास प्रांगण व कुलपति कार्यालय में पौधारोपण करते हुए बोल रहे थे। प्रो. सोमनाथ ने कहा कि इस बार विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हटाना है। धरती पर जीवन के लालन पालन के लिए पर्यावरण प्रकृति का उपहार है। वह प्रत्येक तत्व जिसका उपयोग हम जीवित रहने के लिए करते हैं वह सभी पर्यावरण के अन्तर्गत आते हैं जैसे– हवा, पानी प्रकाश, भूमि, पेड़, जंगल और अन्य प्राकृतिक तत्व।

हमारा पर्यावरण धरती पर स्वस्थ जीवन को अस्तित्व में रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने शिक्षकों को प्लास्टिक
फ्री पेन, पेंसिल व अन्य सामग्री वितरित की।

इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, कार्यक्रम संयोजक प्रो. संजीव अरोड़ा ने भी
पौधारोपण किया।

इस मौके पर डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. जितेन्द्र भारद्वाज, प्रो. ओमवीर, प्रो. अनिता भटनागर, प्रो. जीपी दुबे, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ0 परवीन कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

यूआईईटी बना तकनीक और रचनात्मकता का संगमरू एक्सेलसियर–2025 का भव्य आयोजन

कुवि परिसर : एक्सलसियर विद्यार्थियो की तकनीकी शिक्षा में सुधार लाने में कौशल विकास के साथ समस्या समाधान का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समागम का कार्य करता है। यह उद्गार कुवि के यूआईईटी संस्थान द्वारा आयोजित टेक्नोकल्चर एक्सेलसियर 2025 का उद्घाटन करते हुए डीन इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी तथा यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने प्रकट किए। एक्सलसियर के सयोंजक डॉ. अजय जांगड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में तकनी. की व सामान्य 30 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें मुख्य रूप से इंटरफेस डिजाइन, ब्लाइंड कोडिंग, प्रोग्रामर डेट, लोगोपीडिया, टेक्निकल टॉक, डिजाइन चौलेंज सॉल्विंग मैकेनिक्स, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, ब्रेनस्टॉर्म, बायो क्विज, डीएनए शो, बायोहंट, डिबेट कंपटीशन, आईओटी शोकेस, और फोटोग्राफी। कविता प्रतियोगिता में नीरू प्रथम, द्वितीय नमन व तृतीय स्थान पर प्रिया रही। ब्रेन स्ट्रोम में प्रथम स्थान पर प्राची, दूसरे स्थान पर दीपांशी व तीसरे स्थान पर हिमांशु रहे। बेस्ट ऑफ वेस्ट में प्रथम स्थान पर इशिका, दूसरे स्थान पर आशियाँ व तीसरे स्थान पर प्रेरणा रही। सॉलिड वॉटर्स डिजाइन में प्रथम स्थान पर रुपेश, दूसरे स्थान पर रफी कुमार, तीसरे स्थान पर मोहित रहे। इंग्लिश डिबेट में सौरव प्रथम, आर्यन दूसरे व तीसरे स्थान पर श्रुति रही। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। एक्सलसियर 2025 के पारितोषिक समारोह के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि यूआईईटी संस्थान देश के चुनिंदा संस्थानों में से एक है। इस अवसर पर डॉ पवन दिवान, डॉ अग्निहोत्री, डॉ. प्रियंका जांगड़ा, डॉ. रविंद्र चौधरी, डॉ संजीव आहूजा, डॉ. कर्मबीर, डॉ. अनीता, डॉ. सुनीता खटक डॉ. उर्मिला, दीप्ती चौधरी, डॉ. दिव्या, डॉ. अनुराधा परिणम, अधीक्षक दीपक शर्मा, हरिकेश पपोसा के साथ संस्थान के सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर : शौर्यगाथा की ओर अग्रसर तिरंगा यात्रा का शुभारंभ

कुवि परिसर : ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के शौर्य, साहस, पराक्रम और समर्पण की विजय गाथा है। भारतीय सेनाओं ने वैश्विक मंच पर अपनी ताकत दिखाकर सटीकता व संयम का परिचय दिया। आपरेशन सिंदूर ने न सिर्फ आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया, बल्कि दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश भी दिया। भारत ने दुनिया को बताया कि आतंक के खिलाफ कहीं भी, कभी भी कार्रवाई होगी। बिना किसी सैन्य ठिक. ाने और रिहायशी क्षेत्र को निशाना बनाए सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बुधवार को छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग की ओर से राष्ट्र प्रथम के समर्थन में एक अभियान के तहत भारत की आतंकवाद पर जीत के उपलक्ष्य में आयोजित विजय तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए व्यक्त किए। यह विजय तिरंगा यात्रा कुलपति कार्यालय के प्रांगण से भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों के साथ आरंभ हुई और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, शाखाओं, संस्थानों, पुस. तकालय, आईआईएचएस, डीन बिल्डिंग व अन्य कई स्थानों से होकर निकली जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक बढ़–चढ़कर भाग लिया।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि आप्रेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने भारत के राष्ट्रीय संकल्प, सैनिकों की वीरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ने. तृत्व की दृढ़ता को विश्व पटल पर स्था. पित किया है। यह पूरे देश के लिए गौरव, आत्मसम्मान और वीरता का उत्सव है। यह तिरंगा यात्रा उन वीर सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने दुश्मन को उसकी भाषा में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक अपनी सेना के सम्मान में खड़ा है। यह यात्रा देशवासियों में देशभक्ति की भावना को जागृत करेगी और आम जनमानस को यह संदेश देगी कि हमारा राष्ट्र अपने हर नागरिक के सम्मान और सुरक्षा के लिए सतर्क है।

विजय तिरंगा यात्रा में कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन आफ कॉलेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठ. ाता प्रो. ए.आर चौधरी, प्रो. डी.एस. राणा, प्रो. रमेश भारद्वाज, प्रो. संजीव अरोड़ा, प्रो. प्रदीप मित्तल, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. नीलम ढांडा, प्रो. रीटा, प्रो. कुसुमलता, प्रो. महाबीर रंगा, प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. कृष्णा, डॉ. रमेश सिरोही, डॉ. प्रीतम सिंह, डॉ. निरूपमा भट्टी, मौजूद रहे।

प्यासे परिंदों के लिए कुवि की पहल

कुवि परिसर : हमारे पर्यावरण को संतु. लित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उनके संरक्षण के लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा। यह विचार छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर.चौधरी ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में एन. एस. एस. यूटीडी इकाई –3 और यूथ सोशलग्र. ाम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को आयोजित सकोरा अभियान में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए ।

इस अभियान में बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा भाग लिया और बढ़ती हुई गर्मी में पक्षियों के पानी पीने के लिए पूरे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पानी के सकोरे रखे गए ।

एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ आनंद कुमार ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से हम पक्षियों के संरक्षण में योगदान कर सकते हैं और उनके जीवन को बचाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, यह अभियान हमें पर्यावरण के प्रति जागरूक करता है और हमें अपने आसपास के प्राकृतिक संसाधनों का सं. रक्षण करने के लिए प्रेरित करता है।

अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि माथुर ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से हम पक्षियों के संरक्षण और उनके जीवन को बचाने के लिए एक छोटा सा प्रयास करना चाहते हैं।

इस कार्यक्रम में राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी हर्ष कुमार, मीनाक्षी कांत एनएसएस स्वयंसेवक अर्जुन, विक. ास, विक्रम, दिव्या, रजनी, सिमरन सहित आदि सभी एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

केयू में हुआ मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर

कुवि परिसर : केयू स्वास्थ्य केन्द्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर जांच शिविर में पहुंचे केयू छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए समय–समय पर स्वास्थ्य जांच जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच से न केवल बीमारियों की पहचान होती है, बल्कि यह जीवनशैली में सुधार करने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी मदद करती है।

केयू स्वास्थ्य केन्द्र के सीनियर मेडिकल ऑफिसर एवं एडमिनिस्ट्रेटर डॉ अनेजा ने कहा कि फर्स्ट एड ट्रेनिंग वर्कशॉप एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आरोग्य भ. ारती के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका लाभ लगभग 300 लोगों ने लिया हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही अपने परिवार, समाज, शिक्षण संस्थान व राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे सकता है। स्वास्थ्य जांच से जीवन प्रत्याशा में वृद्धि तो होती ही है इसके साथ ही कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि शिविर में डॉ. व उनकी

टीम ने लोगों के लीवर स्कैन और सामान्य शरीर की जांच, रक्तचाप की निगरानी, रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी, हीमा. ग्लोबिन, बीएमआई, न्यूरोथेरेपी, स्पिरोमेट्री, ब्लड प्रैशर, ब्लड शुगर, ईसीजी (हृदय संबंधित जांच), हृदय रोग, हड्डियों में कै. ल्शियम तथा फेफड़ों की जांच की गई। इस अवसर पर कुवि कुलपति प्रो. सोमना. थ सचदेवा के सुपुत्र हर्षित सचदेवा, नरेंद्र वर्मा, शशिकांत पाठक, अवतार, नीना, वरुण, धर्मेश, पार्थ, संजीव व पारस सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

हरियाली के लिए यूआईईटी की पहल

कुवि परिसर : पर्यावरण संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेवारी है क्योंकि पर्यावरण से ही हमें अच्छा स्वास्थ्य मिलता है। आज तापमान निरंतर बढ़ रहा है जिसके कारण ग्लोबल वार्मिंग हो रही है। बढ़ते तापमान को रोकनें लिए निरंतर हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए ! यह विच. ार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन इंजी. नियरिंग और टेक्नोलॉजी एवं यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने संस्थान में पौधारोपण अभियान के दौरान व्यक्त किए। प्रो सुनील ढींगरा ने कहा कि यूआईईटी संस्थान निरंतर पर्यावरण बच. ाने के लिए पौधारोपण जैसी गतिविधियां आयोजित करता है। आज इस अवसर पर अशोका, शीशम , केला व् अन्य 50 पौधे लगाए गए। डॉ पवन दिवान ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पूरी सोसायटी को आगे आना होगा और निरंतर पर्यावरण संरक्षण करना होगा ।

इस अवसर पर इको क्लब संयोजक डॉ. सुनील नैन, डॉ. विशाल अहलावत, डॉ. राजेश अग्निहोत्री, डॉ पवन दीवान, डॉ अजय जांगड़ा, डॉ राजेश दहिया, डॉ पूनम डब्बास, प्रज्ञा चाँदी, कुलदीप सिंह, गगनदीप, अजय शर्मा, हरिकेश पपोसा , ताराचंद के साथ विद्यार्थी मौजूद थे।

'डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस इन कांस्टिट्यूशन असेंबली डिबेट्स' विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर आयोजित

कुवि परिसर : सेंटर फॉर डॉ. बीआर आंबेडकर अध्ययन केन्द्र में एकदिवसिय एक्सटेंशन लेक्चर 'डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस इन कांस्टिट्यूशन असेंबली डिबेट्स' के उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम के मुख्यातिथि डॉ. संजय सिंधु, प्रोफेसर हिमाचल यूनिवर्सिटी ने कहा कि संविधान जनता की इच्छा को प्रतिबिंबित करता है उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं व्यक्तिगत अधिकारों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करती हैं इस अवसर पर केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय संविधान सभा द्वारा संविधान के निर्मा. ताओं ने भारत में एक लोकतान्त्रिक व्यवस्था को स्थापित करने के प्रति गहरा समर्पण दिखाया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल, डॉ. रमेश सिरोही, डॉ. सुनील भारती, डॉ सुमन बाला, डॉ.कृष्ण, डॉ. नंदन शर्मा (डीन, शूलिनी यूनिवर्सिटी), डॉ.संगीता और उपासना मौजूद रहे।

आई.एम.एस में फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम शुरू

कुवि परिसर : प्रबंधन अध्ययन संस्थान द्वारा यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में 3 जून से संचालित चार सप्ताह के फैकल्टी इंडक्शन कार्यक्रम में उच्च शिक्षा संस्थ. ानों में नव नियुक्त शिक्षकों को शैक्षणिक, अनुसंधान और संस्थागत मूल्यों में दक्ष बनाने के लिए विद्वतजनों द्वारा सम्बोधि. ात किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 3 जून 2025 को प्रो. नीलम रानी ढांडा (डीन, वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय), मुख्य अतिथि, प्रो. निर्मल चौधरी, विशिष्ट अतिथि, और प्रो. प्रीति जैन की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अनिल कुमार, आईएमएस ने बताया कि इस कार्यक्रम में 11 राज्यों एवं 14 विभिन्न शैक्षणिक विषयों से नव नियुक्त सहायक प्रोफेसर भाग ले रहे हैं, जो भारतीय उच्च शिक्षा की विविधता और समावेशिता को दर्शाता है। इन सत्रों में शिक्षण विधियों, शोध उन्मुखता, संस्थागत मूल्य और शैक्षणिक पेशे की भूमिका पर केंद्रित गहन विचार–विमर्श हुआ।इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार, डॉ. जय किशन चंदेल, डॉ. सलोनी पवन दीवान, डॉ. संगीता धीर और डॉ. नीरज बातिश उपस्थित रहे ।

केयू पर्यावरण चैम्पियन अवार्ड–2025 के लिए चयनित

कुवि परिसर : भारतीय वन्यजीव संस्थ. ान, देहरादून द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का पर्यावरण चौम्पियन अवार्ड–2025 के लिए चयन किया गया है। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा एवं कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने प्रो. दीपक राय बब्बर को तीन साल की पर्यावरण गतिविधियों के संकलन करने एवं पर्यावरण चौम्पियन अवार्ड–2025 के नोमिनेशन करने व अवार्ड के चयन पर बधाई दी। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि केयू सदैव पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों में सामाजिक जागरूकता के लिए अग्रण ी रहा है। इसी दिशा में हमारे शिक्षक भी समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक कर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभ. ाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के क्षेत्र में कुवि को भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून द्वारा अवार्ड के लिए चयन करना निश्चय की हमारे शिक्षक, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक व प्रेरित करेगा। कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि अवार्ड के लिए चयन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हमारे प्रयासों को ओर अधिक बल देगा। पर्यावरण संरक्षण चौम्पियन अवार्ड 2025 में केयू को नामित करने वाले जूलॉजी विभाग के शिक्षक प्रो. दीपक राय बब्बर ने बताया कि भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत् भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून द्वारा गंगा बेसिन के राज्यों के लिए अलग–अलग श्रेणियों में शिक्षकों के जरिए आवेदन मांगे गए थे। इसके लिए केयू प्रो. दीपक राय बब्बर ने पिछले तीन वर्षो की व्यक्तिगत, संस्थ. ागत एवं शैक्षणिक पर्यावरण गतिविधियों का संकलन करके वाईल्ड लाइफ वॉरियर कैटेगरी में आवेदन किया था जिसके आध ाार पर केयू का पर्यावरण चौम्पियन अवार्ड 2025 के लिए चयन किया गया है।

डॉ. अरविंद को विज्ञान रत्न पुरस्कार

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. अरविन्द कुमार को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार 2022 के लिए चुना गया है। इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने भावनगर, सीएसआ. ईआर के सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट व कुवि के पूर्व छात्र डॉ. अरविंद कुमार को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान मिलना बडे गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि यहां के पूर्व इस शैक्षणिक संस्थान के ब्रांड एम्बेस्डर है जो शिक्षा, ज्ञान, विज्ञान, शोध एवं अनुसंध ाान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर गौरवा. न्वित करने का कार्य करते हैं।

इस उपलब्धि के लिए कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने भी डॉ. अरविन्द कुमार को बधाई दी। उल्लेखनीय

डॉ. अरविन्द कुमार

है कि डॉ. अरविन्द कुमार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के एमएससी एवं पीएचडी के छात्र रहे हैं। इस अवसर पर रसायन विभाग के विभ. ागाध्यक्ष प्रो. जीपी दुबे व केयू डीन साइंस प्रो. संजीव अरोड़ा ने भी इस उपलब्धि पर डॉ. अरविन्द कुमार को बधाई दी।

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा वर्ष 2022, 2023 और 2024 के लिए हरियाणा विज्ञान रत्न और युवा विज्ञान रत्न अवार्ड्स घोषित किये गए हैं। हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद के महा. निदेशक राजीव रतन द्वारा प्राप्त पत्र के अनुसार राज्य सरकार ने अप्रैल में हरियाण ाा के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयो. जित चयन समिति की सिफारिशों के आध ाार पर पुरस्कार विजेताओं के नामों को अंतिम रूप दिया है।

उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक डॉ. अरविन्द कुमार को हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से प्रशंसा एवं प्रोत्साहन स्वरूप 5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर निकट भविष्य में राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

केयू भूभौतिकी विभाग को मिली भूकंप शोध में वैश्विक भागीदारी

कुवि परिसर :कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को भूकंपीय खतरे के आंकलन को लेकर प्रतिष्ठित भारत–इटली संयुक्त विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की योजना के तहत केयू भ. ूभौतिकी विभाग के वैज्ञानिकों की टीम को अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजना मिली है। विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजना मिलना केयू की वैश्विक शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता, उत्कृष्टता एवं प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय की ओर से शोध दल में शामिल भूभौ. तिकी विभाग के शिक्षक डॉ. आरबीएस यादव (प्रमुख अन्वेषक) और डॉ. मनीषा संधू (सह–प्रमुख अन्वेषक) को विशेष रूप से बधाई दी। गौरतलब है कि भ. ारत–इटली संयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगि. की सहयोग कार्यक्रम की 'शोधकर्ताओं के आदान–प्रदान' योजना के तहत प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजना भारत सर. कार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्त पोषित है। इस अवसर पर कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने भी डॉ. आरबीएस यादव व डॉ. मनीषा संधू को बधाई दी।

वहीं शोध दल में भूभौतिकी विभाग के शिक्षक डॉ. आरबीएस यादव (प्रमुख अन. वेषक) व डॉ. मनीषा संधू (सह–प्रमुख अन. वेषक) के साथ राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), नई दिल्ली के डॉ. एपी सिंह और सीएसआई. आर–एनईआईएसटी, असम के डॉ. शांतनु बरुआ शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का उद्देश्य भारतीय और इतालवी वैज्ञानिकों के बीच आपसी यात्राओं और संयुक्त अनु. संधान के माध्यम से वैज्ञानिक ज्ञान के आदान–प्रदान और उन्नत तकनीकों के विकास को बढ़ावा देना है। इस मौके पर केयू डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार ने दोनों शिक्षकों को बधाई दी।

इस अवसर पर कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन रिसर्च एंड डेवलेपमेंट प्रो. संजीव अग्रवाल, भूभौतिकी विभाग. ाध्यक्ष प्रोफेसर भगवान सिंह चौधरी सहित डॉ. आरबीएस यादव (प्रमुख अन्वेषक) और डॉ. मनीषा संधू (सह–प्रमुख अन. वेषक) मौजूद रहे। भूकंपीय खतरे संबंध ाी भारत–इटली अंतरराष्ट्रीय शोध परिया. `जना में केयू हरियाणा एवं उत्तर भारत का एकमात्र विश्वविद्यालय है। वहीं इस शोध परियोजना का चयन वैज्ञानिक योग. यता, राष्ट्रीय प्राथमिकता और परियोजना समन्वयकों की विशेषज्ञता के आधार पर किया गया था। इसके लिए प्राप्त 83 पात्र प्रस्तावों में से केवल 10 को वित्त पोषण के लिए चुना गया जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा एवं उत्तर भारत से एकमात्र प्राप्तकर्ता विश्वविद्यालय है। यह जानकारी देते हुए प्रमुख अन्वेषक डॉ. आरबीएस यादव ने बताया कि इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य भारत के भूकंपीय क्षेत्र चतुर्थ के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एनसीआर) के लिए विश्वसनीय, समय–निर्भर भूकंपीय खतरा मॉडल विकसित करना है ताकि शोध के माध्यम से भूकंप के जोखिम को कम कर भूकंपीय प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे को विकसित किया जा सके।

आर्गस चिप और कुटिक के बीच त्रिपक्षीय समझौते ने खोले तकनीकी नवाचार के द्वार

कुवि परिसर : स्टार्टअप एवं उद्यमिता विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत का मजबूत आधार है। नवाचार और तकनीकी उन्न. ति के इस युग में, स्टार्टअप व उद्यमिता भविष्य को आकार देने का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। दुनिया तेजी से बदल रही है, और भविष्य उन लोगों का है जो लीक से हटकर सोचने, जोखिम लेने और अपने अवसर खुद बनाने के इच्छुक हैं। युवाओं को अपनी रचनात्मकता, स्टार्ट. अप, प्रेरणा और अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की क्षमता का उपयोग करने के लिए सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्हें आवश्यक संसाधन, सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करके, हम एक संपन्न अर्थव्यवस्था और उज्ज्वल भविष्य व विक. सित भारत का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुल. पति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मंगलवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कमेटी रूम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग की पूर्व छात्रा सविता और चंद्रशेखर द्वारा स्थापित एक नए स्टार्ट. अप, आर्गस चिप डिजाइन प्राइवेट लि. मिटेड को अपने स्टार्टअप इकोसिस्टम में

शामिल करने के लिए आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, आर्गस चिप डिजाइन प्राइवेट लिमि. टेड और कुटिक के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस स्टार्टअप के लिए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा सहित उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पूर्व छात्रों को बधाई दी गई और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि हमें अपने पूर्व छात्रों को नौक. री सृजक और नवप्रवर्तक बनते देखकर गर्व हो रहा है। कुटिक ऐसी प्रतिभाआ. ं को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आर्गस चिप डिजाइन को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में शामिल करना हमारे बढ़ते उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का प्रमाण है। इस समझौते से नवाचार को बढ़ावा देने, पूर्व छात्रों के उपक्रमों का समर्थन करने और राष्ट्रीय स्टार्टअप पारि. स्थितिकी तंत्र में योगदान देने की प्रतिबद्ध ता को बढ़ावा मिलेगा। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय छात्रों और शोध ाकर्ताओं के बीच नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने में विश्वास करता है। इस तरह की पहल न केवल हमारे पूर्व छात्रों का समर्थन करती है, बल्कि हमारे वर्तमान छात्रों को उद्यमशीलता को एक व्यवहार्य कॅरियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित भी करती है।

कुटिक समन्वयक प्रो. अनुरेखा शर्मा ने कहा कि कुटिक शुरुआती चरण के स्टार्टअप को मेंटरशिप, बुनियादी ढाँचा और उद्योग संबंध प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आर्गस चिप डिजाइन के साथ, हम शिक्षाविदों और सेमीकंडक्टर उद्योग के बीच गहन सहयोग की आशा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह गौरव की बात है कि कुटिक में पहली बार एक महिला द्वारा नेतृत्व किया गया स्टार्टअप भी शामिल हुआ है, जो महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूण ा कदम है। रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि रूसा परियोजना के तहत, हमारा लक्ष्य नवाचार और अनुसंध ाान के लिए संस्थागत समर्थन को मजबूत करना है।

कुटिक इस बात का आदर्श उदा. हरण है कि कैसे रूसा विश्वविद्यालय–आध ाारित स्टार्टअप के विकास को गति दे सकता है।। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. अनुरेखा शर्मा, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. हरदीप आनंद, प्रो. अनिता यादव, प्रो. अश्विनी, डॉ. हरदीप राय, इनक्यूबेशन कंसल्टेंट डॉ. मनोज, पूर्व छात्रा सविता और चंद्रशेखर सहित प्रोजे. क्ट एक्शन ग्रुप, प्रोजेक्ट स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य मौजूद थे।

राष्ट्र निर्माण की अद्भुत शिल्पकाररू अहिल्याबाई होल्कर — प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुवि परिसर : अहिल्याबाई होलकर के पहले नाम अहिल्या में ही इनके सारे गुण व अच्छे कार्य निहित है। अहिल्या बाई एक आदर्श शासिका, हिंदू धर्म की संरक्षि. का, लोक सेविका व योग्यता को पहचानने वाले गुणों से युक्त कुशल शासिका थी। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा शुक्रवार को डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र द्वारा पुण्य श्लोका लोकमाता देवी अ. हल्याबाई होल्कर के त्रिशती जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्र निर्माण में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का अवदान विषय पर आयोजित एक दिवसीय विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इससे पहले दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि अहिल्या बाई का मानना था कि धर्म की सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है। वो एक समावेशी नेता थी जिन्होंने सभी धर्मों व जातियों के लिए समान न्याय देने का काम किया। उन्होंने हिंदू धर्म के मंदिर बनवाए, मुस्लिम वर्ग को जमीन दान में दी, जैन और बौद्ध धर्म का ध्यान भी रखते हुए उनके भी प्रचार प्रसार में किसी तरह की कमी नहीं आने दी। उनका मानना था कि सत्ता को मूल उद्देश्य सबके लिए न्याय होना चाहिए।

वह लोक सेविका थी। उन्होंने सड़को, कुओं, धर्मशालाओं का निर्माण, स्कूलों का निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यो में योगदान चिंतक डॉ. रेशमा प्रसाद ने कहा कि भ. ारत के इतिहास में कई ऐसी वीरांगनाएं हुई जिन्होंने अपने अद्वितीय शासन और दूरदर्शिता से इतिहास के पन्नों और कहा. नियों में अमिट छाप छोड़ी। इन्हीं में से एक थीं मालवा की रानी अहिल्या बाई होलकर। उन्हें आज भी एक आदर्श प्रशा. सिका, न्यायप्रिय शासिका और धर्मपरायण महिला के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने महिला, पुरुष, ट्राजेंडर के लिए सामान्य वातावरण निर्माण बनाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वनिर्धारित पह. चान को स्वीकार करना जरूरी है। मुख्य वक्ता राजकीय कॉलेज, बिलासपुर के प्रो. रमेश धारीवाल ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने सुशासन, धर्म और सेवा भावना से कार्य किया। भारत की संस्कृति को आगे बढ़ाने और उसे सुरक्षित रखने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। रानी अ. हल्याबाई होल्कर का जीवन सामाजिक न्याय और नारी सशक्तिकरण का आदर्श

यूआईईटी में तकनीकी जागरूकता का उत्सव

कुवि परिसर : आज दुनिया में बहुत सी ताकते जान माल को नुकसान पहुंचाने के लिए पनप रही है जो समय के साथ मानव के लिए चुनौतियों से सामना करवा रही है। तकनीकी कौशल से ही हम इन चुनौतियों से निपट सकते है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए रोबोटिक जैसी कार्यशालाओं की जरूरत है। इन कार्यशालाओं से विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल का विकास होता है जिसका फायदा संस्थान और समाज को सीधे रूप से मिलता है। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन इंजीनियरिंग एवं टैक्नोलॉजी तथा यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने राष्ट्रीय तकनीकी दिवस के अवसर पर यूआईईटी संस्थान के टेक्निकल क्लब द्वारा कुवि कुल. पति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आयोजित तकनीकी आह्वान–2025 कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रो. सुनील ढींगरा ने कहा कि दुनिया की नजरे भारत के युवा जोश

और तकनीक पर है। आज युद्ध जैसे हालात में भी रोबोट सामान लाने ले जाने व गुप्त जानकारी हासिल करने के लिए बड़े कारगर सिद्ध होते है।

कार्यशाला के टेक्निकल विशेषज्ञ डॉ. गौरव वर्मा ने कहा कि रोबोट उद्योग में पिक एंड प्लेस में योगदान कर सकते है! गुप्त जगह पर कैमरे से रिक. ार्डिंग करके वहां की लोकेशन व अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते है। अस्पताल में भी रोबोट का प्रयोग का प्रचलन बढ़ रहा है। इस अवसर पर डॉ. रीटा, डॉ. अनीता, डॉ. दीप्ती चौधरी, डॉ. प्रियंका जा. गड़ा, डॉ. दिव्या, रविंद्र, अभिषेक, हरिकेश पपोसा मौजूद रहे।

कुवि जनसंचार छात्रों ने संभाली डाक्यूमेंटेशन की जिम्मेदारी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की कार्यक्रम की अध्यक्षता

कुवि परिसर : जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थियों को सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम 'डिस. बर्सल ऑफ इंसेंटिव टू फिल्म प्रोड्यूसर्स' कार्यक्रम की डाक्यूमेंटेशन का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कार्यक्रम की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, रील, डॉक्यूमेंट्री बनाकर कौशलता का परिचय दिया। यह कार्यक्रम हरियाण ा फिल्म एंड एंटरटेनमेंट पॉलसी–2022 के तहत हुआ जिसमें हरियाणवी फिल्म निर्माताओं, कलाकारों को सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, के कार्यक्रम में सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कार्य करना संस्थान के विद्यार्थियों की प्रतिभाओं का सफल कार्यान्वयन है। उन्होंने संस्थान

के विद्यार्थियों अमन मलिक, अनिल कुमार, साहिल, हितेश राय (एम.ए. जनसंचार), मोहित सैनी (एम.एस.सी. ग्राफिक्स एंड मल्टी मीडिया) को अपनी प्रतिभा अनुरूप कार्य करने हेतु बधाई दी। उन्होंने कहा कि सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा सरकार के कार्यक्रम में भागीदारी करना उसी रचनात्मकता कौशल को आगे बढ़ाने का प्रयास रहा है। इस अवसर पर संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी और अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. अभिनव ने कहा संस्थान के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभाओं के अनुरूप कार्य किया जिसकी तारीफ के. मार्कड पांडुरंग (आई.ए.एस.) डायरेक्टर जनरल, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा सरकार ने की। उन्होंने कहा कि संस्थान, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर, नीरज और डॉ. साहिब राम गोदारा, ज्वाइंट डायरेक्टर (प्रेस) आईपीआरएल, हरियाणा का विशेष आभारी है। इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. अभिनव सहित विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

कहानी से स्क्रीन तक : जनसंचार संस्थान में डॉक्यूमेंट्री कार्यशाला का आयोजन

कुवि परिसर : जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी ऑडिटो. रियम में एक दिवसीय 'डॉक्यूमेंट्री मेकिंग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'डॉक्यूमेंट्री मेकिंग कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सा. हब राम गोदारा, ज्वाइंट डायेक्टर (प्रेस) आईपीआरएल, हरियाणा ने कहा कि लेखन कौशल डॉक्यूमेंट्री स्किप्ट राइ. टिंग की पहली सीढ़ी है। इसके लिए आपको बुनियादी बातों की पूरी समझ की आवश्यकता होगी। अपनी स्क्रिप्ट को सही तरीके से कैसे प्रारूपित और संरचित किया जाए। विद्यार्थियों को अपनी लेखनी पर अधिक जोर देना होगा क्योंकि लेखनी जितनी मजबूत होगी, उतनी ही आपकी सफलता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इसके लिए निरंतर लिखते रहना चाहिए, ताकि लेखन कौशल में महा. रत हासिल हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विभाग में बतौर कंटेट राई. टर, स्पीच राइटर की नियुक्तियों के लिए निकले अवसरों प्राप्त कर लाभान्वित होने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने मुख्य वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि स्क्रिप्ट लेखन कौशल डॉक्यूमेंट्री के लिए प्रभावी होता है। स्क्रिप्ट लेखन की परिभाषा में केवल कहानी सुनाना ही नहीं, बल्कि फॉर्मेटिंग भी शामिल है, क्योंकि स्क्रीन पर खुद को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए, विशेष तरीकों की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि संस्थान मुख्य वक्ताओं का विशेष आभारी हैं, जिन्होंने अपने बेहद व्यस्त समय में से राज्य के विभिन्न कॉलेजों एवं यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री मेंकिग' कार्य का ज्यूरी के रूप में निरीक्षण किया है। इसके साथ उन्होंने संस्थान के समस्त विद्यार्थियों को अपने अथाह कार्य अनुभव को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उनके सपनों को साकार रूप देने के लिए अपने विभागों वि.

भन्न पदों पर आमंत्रित नौकरियों का लाभ लेने के लिए उत्साहित किया। डॉ. पवन कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, फाइन आर्ट, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ने बतौर वक्ता विद्यार्थियों को 'डॉक्यूमेंट्री मेंकिग' के तकनीकी पहलुओं से रू–ब–रू करवाते हुए कहा कि किसी प्रकार की 'डॉक्यूमेंट्री मेंकिग' निर्देशक विचारों को डिजिटल रूप जनता के सम्मुख प्रस्तीकरण है। उन्होंने कहा एक अच्छी 'डॉक्यूमेंट्री का निर्माण तभी संभव है जब विद्यार्थीगण एक अच्छी स्क्रिप्ट के साथ करेगे और अच्छी स्क्रिप्ट के लिए अपने आस–पास की चीजों से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती है। इस अवसर पर कार्यशाला का मंच संचालन एक्टिविटी इंजार्च और अस्सिटेंट प्रोफेसर आबिद अली ने कहा कि 'डॉक्यूमेंट्ररी मेंि. कग' कार्यशाला कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य विद्यार्थियों में 'डॉक्यूमेंट्ररी' के जरिये उनके निर्देशन, संपादन, संवाद लेखन के कौशल को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि मीडिया प्रौद्यो. गिकी संस्थान और डीवाएसीए भविष्य में इस तरह के कार्यक्रमों और प्रतियोगि. ताओं का संचालन करता रहेगा जिससे विद्यार्थियों में फिल्म निर्माण, 'डॉक्यूमेंट्री निर्माण का कौशल आए और यह कौशल अच्छे समाज निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सके। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं का आभार संस्थान की अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. सपना ने किया।

IN HONOR OF THE DEPARTED

Seeds of Change: How Dr. Somveer Jakhar's Vision is Shaping KU's Green Future

Editor's note: This article was compiled before the untimely passing of Dr. Somveer Jakhar. His vision and leadership continue to inspire the Department of Botany at KU.

The Department of Botany at Kurukshetra University is emerging as a model of environmental stewardship, combining scientific research with hands-on sustainability practices. Under the late Dr. Somveer Jakhar's leadership, the department implemented a zero-waste management program, where students took the lead in composting biodegradable waste and driving student-led environmental action. "We're committed to more than education—we're building ecosystems of awareness, action, and innovation," Dr. Jakhar had said. The department's zero-waste initiative, implemented through its horticulture division, remains a model of practical sustainability. Composting units have been set up using biodegradable campus waste, and students actively participate in creating natural manure, reducing dependency on chemical fertilizers.

Students are directly involved in organic farming, manual harvesting, and herbal garden maintenance, transforming theoretical knowledge into hands-on learning. These green warriors also produce plant-based goods and conduct com-

munity outreach by educating locals about the benefits of medicinal plants. A major highlight of the department is its growing focus on ethnobotanical research. Students are documenting traditional knowledge related to plant-based medicines, dyes, fibers, and food sources used by indigenous communities in Haryana and neighboring regions. This work not only preserves cultural heritage but also opens new doors for sustainable product development.

Inside the labs, the mo-

mentum continues. From tissue culture of endangered species to research on climate change mitigation through plant-based carbon sequestration, students are part of research projects that matter. A special lab for climate change studies and a Forest Ecology and Culture Lab offer immersive experiences that esteemed beyond the classroom. "Our vision is to turn the Department of Botany into a center of excellence under the guidance of Honourable Prof. Sachdeva, Vice Chancellor, KU," Dr. Jakhar had said.

Kurukshetra University: The African Students' Indian Journey into the Future

Titiksha & William
Student

Leaving behind familiar landscapes and loved ones, African students arriving in India brought with them more than suitcases—they carried hopes, responsibilities, dreams, and the weight of uncertainty. For many, choosing to study at Kurukshetra University was not just an academic decision, but a leap of faith in search of opportunity, belonging, and transformation in a foreign land. "I had heard that Indian universities could be chaotic and overly competitive," William recalled. "But I needed a place where I could balance life and study. Kurukshetra University became exactly that—like an angel-teacher appearing when I needed one." William's words echo the sentiments of many African students

who chose to pursue their education at Kurukshetra University (KU). Their decisions weren't driven by academics alone, but by a desire for connection, comfort, and a nurturing space where their ambitions could flourish. Julien, another African student, emphasized KU's focus on hands-on learning."Practical learning is a priority here; it helps you apply knowledge in the real world instead of just memorizing facts," he said.He praised the professors for being "a haven of knowledge," adding:"They're always gracious, ready to help inside and outside the classroom." Mohammed highlighted the welcoming academic culture."The friendly relationship goes beyond the classroom," he said. After considering many universities, he chose KU because its environment reminded him of home. "Group discussions, teamwork, and learning from others are highly promoted here—just like in my country." For Toto, the connection goes even deeper—into the historical and cultural heart of Kurukshetra."When friends from other universities talk about where they live, they often don't know much about the place. But me? I could talk for hours about Kurukshetra's rich history, the Dharohar Museum, and its cultural landmarks. It makes you feel rooted—part of something bigger than your mortal existence." John chimed in with humor and admiration:"You need a studio? There's a full-fledged one for professionals. You want a library? The biggest in Haryana—and the best part? It is a place of becoming, a second home, a source of inspiration, and a shared future.

Explores the Evergreen Charm of Our Campus

Mansi / Aastha
Student

The evergreen, lush greenery of KUK is something no one can take their eyes off. We explore the floral beauty of this magnificent campus. Since its establishment in 1957, KUK has been renowned for its beautiful green surroundings. Spanning over 477 acres, the campus exemplifies a perfect blend of education and sustainability, making it one of India's most beautiful and environmentally conscious universities. With over 40,000 trees, KUK offers a serene retreat that nurtures both body and soul. Its greenery helps moderate extreme summer heat and winter cold. This natural environment contributes to reduced stress levels and a healthier lifestyle for students. Adding to the charm are 50 well-maintained lawns and thousands of ornamental herbs, shrubs, & flowering plants—each bursting with colour and fragrance, making the campus an ideal place for study and personal growth. Walking through

the varsity campus feels like stepping into a living botanical encyclopedia. Common trees like Neem, Mango, Gulmohar, and Peepal stand alongside exotic varieties such as the Camphor Tree, Rudraksh, & Golden Rain Tree. The campus also houses rare gymnosperms including Araucaria, Ginkgo biloba, and Juniperus chinensis, which enhance its ecological richness. The university's green mission continues to evolve. In 2024, around 1,000 trees were planted under the ***Ek Ped Maa Ke Naam*** campaign. During the Van Mahotsav celebrations, another 3,000 trees were added, highlighting KUK's ongoing commitment to afforestation and climate action. What makes the greenery here truly exceptional is not just its density, but its diversity. Visitors are greeted by a burst of colour from ornamental shrubs like China Rose, Peacock Flower, & Raat Ki Rani. Herbal patches bloom vibrantly with Petunias, Dahlias, Zinnias, and Marigolds—each playing a vital role in maintaining the dynamic ecosystem of the campus.

आंतरिक और बाहरी संवाद का सशक्त माध्यम केयू न्यूज लेटर : कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव ले. डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा संचालित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के 'केयू न्यूज लेटर' के द्वितीय एडीशन का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलसचिव ले. विरेद्रपाल ने कहा कि 'केयू न्यूज लेटर' विश्वविद्यालय की उन्न. ति हेतु आंतरिक और बाहरी जनसंपर्क का कार्य कर रहा है जो कि विकसित समाज और विकसित भारत के विजन के लिए महत्त्वपूर्ण प्रयास है। उन्होने कहा कि 'केयू न्यूज लेटर' इस प्रयास के लिए जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया और उनकी समस्त टीम को बधाई। दी।

इस अवसर पर जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि संस्थ. ान के शिक्षकों के साथ विद्यार्थिगण भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं जिसके तहत रिर्पोटिंग, संपादकीय, फीचर, फोटोग्राफी, कार्टून, कहानी, संस्मरण, कैंपस डायरी, न्यू बुक अराइवल, प्रोफेसर, एलुमनी, स्टूडेस एचीवर इंटरव्यू, मार्केट न्यूज, पुस्तकालय, विश्वविद्यालय की मासिक गतिविधियां, स्पोर्टस, साइंस एंड रिसर्च, एनसीसी एंड एनएसएस कैंपस प्रोग्राम, यूथ एंड कल्चरल वेलफेयर प्रोग्राम, हैल्थ सेंटर न्यूज, टीचिंग एंड नॉन टीचिंग न्यूज, एलुमनाई एंड प्लेसमेंट, स्टोरी टेलिंग एंड पॉडकास्गि न्यूज, छह क्लबों की गतिविधियां, ग्रीन कैंपस, क्लीन कैंपस इत्यादि सम्मिलित हैं। दूसरे एडिशन में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, केयू व स्वदेशी शोध संस्थान द्वारा आयोजित सम्मेलन, विश्व रेडक्रॉस धरोहर, पुस्तकालय, यूजीसी नेट, भक्ति यात्रा, डलहौजी कैम्प, पंजाबी साहित्य, कुलसचिव का हॉस्टलों में निरीक्षण, आईआईएचएस, पुस्तक विमोचन, पर्यावरण अध्ययन संस्थान, कला प्रदर्शनी, स्टेम सेल के दान साइकिल अभियान, स्थानेश्वर पत्रिका का विमोचन आदि अन्य समाचारों को संकलित किया गया है। इस अवसर पर जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया और संस्थान के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. अभिनव, डॉ. तपेश किरण, डॉ. प्रदीप कुमार, राहुल अरोड़ा, अमित जागड़ा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

रसायन विभाग में आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का रसायन विज्ञान विभाग सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित विभागों में से एक है। विभागाध्यक्ष प्रो. जी.पी. दुबे ने बताया कि रसायन विज्ञान विभाग में एमएससी ऑर्गे. निक, एमएससी फिजिकल व एमएससी इनऑर्गेनिक विषयों पर एमएससी करवाई जा रही है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र सीएसआईआर–यूजीसी–नेटध्गेट परीक्षा पास करते हैं। रसायन शास्त्र विभ. ाग का प्लेसमेंट रिकॉर्ड अच्छा रहा है और छात्रों को फार्मास्यूटिकल्स, इंडियन ऑयल, ओएनजीसी, एनपीएल और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में नौकरी मिल रही है। केंद्रीय विज्ञान होने के नाते, रसायन शास्त्र विज्ञान में मेटेरियल विज्ञ. ान और जैविक विज्ञान के साथ व्यापक संभावनाएं हैं जिसकी वजह से इंटर डि. सीप्लिनरी अनुसंधान क्षेत्र में असीम संभा. वनाएं बनती हैं। विभागाध्यक्ष ने बताया की रसायन शास्त्र विभाग के पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन दाखिले की प्रक्रिया 24 मई, 2025 से शुरू हो चुकी है तथा विद्या. र्थी 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन एडमिशन से सम्बन्धि ात जानकारी के लिए विद्यार्थी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

9 विद्यार्थियों का एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस में हुआ चयन

कुवि परिसर : एमबीए दो वर्षीय और एमबीए पांच वर्षीय कोर्स के 9 विद्यार्थियों का चयन कैम्पस ड्राइव के माध्यम से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में हुआ है। प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता और रा. `जगार केन्द्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. महेन्द्र सिंह ने बताया कि एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों क्षेत्रीय मानव संसाधन मैने. जर याजुवेन्द्र सिंह व उनकी टीम ने आकर कैम्पस ड्राइव के माध्यम से इन विद्यार्थियों का चयन किया।

इस ड्राइव में एमबीए के 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। चयनित विद्यार्थियों में सौरभ, हुनर, सुमित कुमार, प्रिंस, भारत, काजल, सुरभि, आंचल और मनीषा कुमारी शामिल हैं।

कुवि यूआईईटी संस्थान के पांच विद्यार्थी का यूके की कंपनी में चयनित,

कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने दी बधाई।

कुवि परिसर : यूआईईटी संस्थान ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के पथ पर कार्य कर रहा है यह जानकारी देते हुए हैं विश्वविद्यालय के डीन इंजीनियरिंग एवं टैक्नॉलॉजी तथा यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने बताया कि संस्थान में अध्ययनरत पाँच विधार्थियों का यूनाइटेड किंगडम की विश्व प्रसिद्ध कंपनी एवियन प्राइवेट लिमिटेड में चयन हुआ है जिनमें कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के हिमांशु सिन्हा, तेहान गर्ग, ऋषभ सिंह, नीरू रानी, नक्षत्र अरोड़ा ने सफलता हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया। उन्होंने आगे बताया कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान नौकरी मिल जाए तो बड़ा सुखद अनुभूति होती है साथ ही अभिभावकों का सपना पूरा हो जाता है। उन्होंने बताया इस अवसर पर कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा और कुलसचिव डॉ वीरेंद्र पाल ने चयनित विधार्थियो को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ट्रेनिंग प्लेसमेंट अधि ाकारी डॉक्टर निखिल कुमार मारीवाला ने बताया कि पुल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के तहत संस्थान के विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है जिनको डॉटा इंजीनियरिंग एसोसिएट पद के लिए कार्य दिया जाएग. ा। इस मौके पर ट्रेनिंग और प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. संजीव आहुजा, डॉ. अजय जांगड़ा, डॉ दीपक मलिक, डॉ. सुनील ढींगरा, विशाल आदि मौजूद रहे।

कुवि में एमएससी गणित करने के पश्चात शोध तथा शिक्षण में अपार संभावनाएं

15 जून तक कर सकते हैं 150 सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन

कुवि परिसर : कुवि के गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा द्विवर्षीय मास्टर डिग्री कोर्स व पीएचडी कोर्स चलाए जा रहे हैं। एमएससी गणित करने के पश्चात शोध तथा शिक्षण में अपार संभावनाएं है। गणित विभाग के स्नातकोत्तर कक्षाओं में दाखिले के लिए हर साल देश भर से हजारों छात्र आवेदन करते हैं जो कि इस कोर्स की लोकप्रियता और रोजगारपरक होने का प्रमाण है। वर्ष 1961 से अस्तित्व में आने वाले गणित विभाग ने प्योर और एप्लाइड गणित के क्षेत्र में अनुसंधान में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। आ. जकल गणित के विद्यार्थी इंश्योरेंस, डाटा साइंस, फाइनेंशियल क्षेत्र, बायो मैकेनिक्स, स्पेस साइंस और कंप्यूटर विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़कर योगदान दे रहे हैं। कुवि के गणित विभाग के विभ. ागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने बताया कि गणित विभाग से अब तक लगभग सैंकड़ों छात्रों ने पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है, जिन्हें शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक संगठनों में सम्मानजनक पदों पर नियुक्ति मिली है। उन्होंने बताया कि विभाग से उत्तीर्ण होने के बाद छात्रों का प्लेसमेंट बहुत ही संतोषजनक रहा है। गणित विभाग के कई प्रतिभावान छात्र विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सहायक प्रोफेसर बन गए हैं। कुछ छात्रों का चयन अनुसंधान संगठनों में वैज्ञानिकों के रूप में समाहित पदों के लिए भी किया गया है। इसके अतिरिक्त बहुत अधिक संख्या में शिक्षण विभाग में पीजीटी तथा प्राचार्य के पदों पर काम कर रहें हैं। विभाग का अपना प्लेसमेंट सेल भी है। गौरतलब है कि गणित विभाग के सभी पाठ्यक्रम शिक्षा जगत एवं उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं ताकि विद्यार्थियों को रोजगार मिलने में आसानी हो सके । कुवि के लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निर्देशानुसार गणित विभाग के पाठ्यक्रमों में ऑनला. इन दाखिले की प्रक्रिया 24 मई, 2025 से शुरू हो चुकी है तथा गणित जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी एमएससी गणित की 150 सीटों में दाखिले के लिए 15 जून तक ऑनला. इन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाईन एडमिशन से सम्बन्धित जानकारी के लिए विद्यार्थी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की वेबसा. इट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पत्रकारिता दिवस पर मीडिया संस्थान में हुआ राज्यस्तरीय डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह

कुवि परिसर : जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी ऑडिटोरियम में हिंदी पत्रकारिता दिवस एवं राज्य स्तरीय डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता पुरस्क. ार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर विवेक चावला, निदेशक युवा एवं संस्कृति कार्यक्रम विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और कार्यक्रम की अध्यक्षता जनसंचार संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने की। उन्होंने कहा कि इस राज्य स्तरीय डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता के माध्यम से संस्थान और विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों में डॉक्यूमेंट्री के जरिये प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना किया जाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. विवेक चावला ने कहा कि युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को मंच देने के लिए है जो निरंतर अपना कार्य कर रहा है उसी के प्रयास में राज्यस्तरीय डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता का आयोजन जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान तथा युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी लेखन शैली, भाषण शैली पर अधिक ध्यान देना होगा ताकि वे अपनी रचनात्मकता का अधिक उपयोग कर सके। उन्होने विद्यार्थियों को हिंदी पत्रकारिता दिवस और राज्यस्तरीय डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता पुरस्कार प्राप्त करने वालो को बधाई दी और आगे बढ़ते रहने के हर अवसर पर पूर्ण रूप से कार्य करने आह्वान किया। संस्थान के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. आबिद अली ने कार्यक्रम संचालन किया और कार्यशाला इंचार्ज जितेंद्र रोहिल्ला ने हिंदी पत्रकारिता दिवस एवं राज्य स्तरीय डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह में धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर संस्थान के समस्त शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बासिल बिजू को प्राप्त हुआ प्रथम पुरस्कार

राज्यस्तरीय डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह में **प्रथम पुरस्कार** – 11000 हजार रुपये केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के बासिल बिजू को प्राप्त हुआ वही **द्वितीय पुरस्कार** – 5100 रुपये, हेमंत शर्मा, जे.सी. बॉस विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद,

तृतीय पुरस्कार – 3100 रुपये, वैष्णवी, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,

चौथा पुरस्कार – 2100 रुपये ऐश्वर्या मौर्य, आर्य पी.जी. कॉलेज, पानीपत मिला। इसके अतिरिक्त चार 1100 रुपये के सांत्वना पुरस्कार नीतिश, आर्य पीजी कॉलेज पानीपत, निमिशा, गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, और हिबा पीके, केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ को दिए गए।

कैंपस डायरी

कुवि परिसर में कुलपति ने किया स्वामी रामदेव का अभिनन्दन।

कुवि परिसर : स्वामी रामदेव ने 21 जून को कुरुक्षेत्र में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहुंचे। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में पतंजलि योग कार्यकर्ताओं के महासम्मेलन में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने स्वामी रामदेव का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक लाख से अधिक लोगों के योग करके योग दिवस मनाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान होगा। उल्लेखनीय है कि 21 जून 2025 को ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर अंतराष्ट्रीय योग दिवस स्वामी रामदेव की उपस्थिति में मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रहेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से 2000 से अधिक प्रतिनिधि योग दिवस में प्रतिभागिता करेंगे।

आईआईएचएस संस्थान में आवेदन की अंतिम तिथि 21 जून

कुवि परिसर : कुवि के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटिग्रेटिड एंड ऑनर्स स्टडीज संस्थान में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 21 जून निर्धारित की गई। इस वर्ष बीए प्रथम वर्ष के लिए 400 सीटों का निर्धारण किया गया है जबकि बीएससी लाइफ साइंसिज में 120 सीटें निर्धारित की गई हैं। बीएससी फिजिकल सांइसिज में 300 सीटें, एमएससी फाइव इयर इंटिग्रेटिड इन बायोटेक्नोलॉजी में 20 सीटें, फाइव ईयर इंटिग्रेटिड एमएससी ऑनर्स अर्थशास्त्र में 20 सीटे, बीसीए के लिए 100 सीटें, बीकॉम के लिए 120 सीटें, बैचलर आफ टूरिज्म एवं ट्रैवल मैनेजमेंट के लिए 45 सीटें तथा बीएससी होम साइंस के लिए इस सत्र में 40 सीटे निर्धारित की गई हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अंतर्गत इसी सत्र से है 13 विषयों ऑनर्स के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बीएससी विद मेजर इन बॉटनी, बीएससी विद मेजर इन बायोकेमिस्ट्री, बीएससी विद मेजर इन केमिस्ट्री, बीएससी विद मेजर इन फिजिक्स, बीएससी विद मेजर इन गणित, बीएससी विद मेजर इन जूलॉजी, बीएससी विद मेजर इन कंप्यूटर साइंस, बीए विद मेजर इन संस्कृत, बीए विद मेजर इन अंग्रेजी, बीए विद मेजर इन हिंदी, बीए विद मेजर इन इतिहास, बीए विद मेजर इन इकोनॉमिक्स तथा बीए विद मेजर इन साइकोलॉजी कोर्सिज में इस सत्र से आनर्स शुरू की जा रही है। प्रत्येक आनर्स कोर्स में 20 सीटे निर्धारित की गई हैं।

कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने छात्रा अनुष्का शर्मा को किया सम्मानित

कुवि परिसर : यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा अनुष्का शर्मा को एशियन बॉक्सिंग चौंपियनशिप में रजत पदक जीतने पर कुलपति कार्यालय में कुरुक्षेत्र व कुलसचिव ने सम्मानित किया। गौरतलब है कि छात्रा अनुष्का शर्मा ने 10 से 24 मई तक एएसबीसी द्वारा श्रीलंका के कोलंबिया में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चौंपियनशिप में 81 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक प्राप्त किया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधाचार्य डॉ. सुखविन्द्र सिंह व अनुष्का शर्मा के पिता पवन शर्मा मौजूद रहे।

केयू आईटीटीआर में आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून

कुवि परिसर : कुवि के के शिक्षण विभागोंध्संस्थानों में ऑनलाइन विभिन्न प्रोग्राम्स में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय के एडमिशन पोर्टल (आईयूएमएस) से 4 वर्षीय इंटिग्रेटिड एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) बीए.बीएड की 50 सीटों, बीएससी. बीएड. की 50 तथा बीकाम.बीएड की 50 सीटों में ऑनलाइन दाखिले के लिए 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एडमिशन के लिए अलग से लिंक बनाया गया है तथा पूरी दाखिला प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

कुवि पर्यावरण चौम्पियन अवार्ड–2025 के लिए चयनित

कुवि परिसर : कुवि 473 एकड़ में स्थापित किया गया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा का सबसे पुराना एवं सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय में ग्रीन कैम्पस विशेष आकर्षण का केन्द्र है। सन 2010 में विश्वविद्यालय को ग्रीन कैम्पस का अवार्ड प्राप्त हुआ है। अभी हाल ही में पर्यावरण चौंपियन अवार्ड–2025 के लिए भारतीय वन्य जीव संस्थान देहरादून द्वारा चयनित किया गया है और जल्द ही देहरादून में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम में यह अवार्ड कुवि को दिया जाएगा।

सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु स्कूल सम्मानित

कुवि परिसर : सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल को सूर्य नमस्कार के सफल आयोजन के लिए पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा सम्मा. नित किया गया । इस अवसर पर कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने स्कूल के प्राचार्य डॉ. सुखविन्द्र सिंह को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

इंडिपेंडेंट स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (इसवा) ने लगाई छबील

कुवि परिसर : कुवि के इंडिपेंडेंट स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी पर्व के अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की डीन बिल्डिंग के सामने मीठे जल की छबील लगाई गई। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में राहगीरों को ठंडा, मीठा और शुद्ध पानी वितरित किया जाता है, जो न केवल शरीर को ताजगी देता है, बल्कि गुरु अर्जुन देव जी की करुणा, सेवा और सहनशीलता की याद भी दिलाता है। जल की सेवा ही मानव ही सच्ची सेवा है। कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि मीठे जल की छबील के आयोजन में पर्यावरण के हित को ध्यान में रखा गया है जिसमें डिस्पोजल ग्लास का प्रयोग नहीं किया गया।

दाखिले के लिए छात्र संगठन स्थापित करेंगे हेल्प डेस्क

कुवि परिसर : कुवि में आनलाइन दाखिला प्रक्रिया 24 मई 2025 से शुरू हो चुकी है। आने वाले दिनों में दूर दराज से छात्र दाखिला लेने के लिए कुवि परिसर पंहुचेंगे इसके लिए राष्ट्रीय सेवा योजना, यूथ रेड क्रास, एनसीसी व अन्य छात्र संगठन छात्रों की सहायता के दाखिला संबंधी सूचनाओं की जानकारी हेतु हेल्प डेस्क स्थापित करेंगे जिससे छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

कुवि परिसर में काले शीशे वाली गाड़ियां प्रतिबंधित

कुवि परिसर : कुवि परिसर में सुरक्षा कर्मी सुरक्षा की दृष्टि से तत्पर हैं। सैकेंड एवं थर्ड गेट पर नाके लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय में अवांछित वाहनों एवं काले शीशे वाली गाड़ियों पर प्रतिबंध है। मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रो. अनिल गुप्ता ने बताया कि पिछले दिनों काले शीशों वाली अनेक गाड़िया पकड़कर पुलिस को दी गई हैं। उन्होंने कहा की विश्वविद्यालय परिसर की गरिमा एवं सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

महिला छात्रावास अनेक सुविधाओं से हुए सम्पन्न

कुवि परिसर : कुवि परिसर में छात्राओं के लिए 13 महिला आवासीय छात्रावास स्थापित किए गए हैं। इन छात्रावासों में जहां छात्राओं के लिए कपड़े धोने की मशीने स्थापित की गई हैं वहीं पर दूसरी ओर जिम, वाई–फाई की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। महिला छात्रावास की चीफ वार्डन प्रो. कुसुम लता ने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय के सभी महिला छात्रावास सभी आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न हैं। हाल ही में गैस पाईप लाइन की स्थापना कर दी गई है।

विश्वविद्यालय में चला दाखिला अभियान

कुवि परिसर : कुवि में ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया 24 मई 2025 से शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागोंध्संस्थानों की दाखिला प्रक्रिया का प्रचार प्रसार विभागों द्वारा बनाई गई शार्ट वीडियो तथा ब्राशर के माध्यम से विश्वविद्यालय के फेस. बुक पेज, इंस्टाग्राम, व्हाट्सअप व अन्य सोशल मीडिया माध्यमों द्वारा किया जा रहा है जिसमें विभागों की सीटों, कोर्स, प्लेसमेंट, सुविधाओं तथा दाखिले के लिए अतिम तिथि व प्रवेश प्रक्रिया का ब्यौरा दिया गया है। दाखिला प्रक्रिया सभी विभागाध्यक्षध निदेशक सक्रिय रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कुवि का मीडिया संस्थान करेगा अम्बाला के 1857 के स्मारक का लॉगो डिजाइन

कुवि परिसर : कुवि का जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान आने वाले दिनों में अम्बाला में 500 करोड़ की लागत स्थापित होने वाले 1857 के स्मारक का लॉगो डिजाइन करेगा। जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इस आशय का पत्र कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, चंडीगढ़, हरियाणा से पत्र प्राप्त हो चुका है और ग्राफिक्स विभाग की टीम 1857 के स्मारक का लॉगो डिजाइन करने के लिए लगी हुई है। शीघ्र ही यह डिजाइन तैयार कर हरियाणा के कला, संस्कृति एवं कार्य विभाग को सौंपा जाएगा।

कुवि के इतिहास विभाग के अध्यक्ष बने डॉ. धर्मवीर, 13 जून से संभालेंगे कार्यभार

कुवि परिसर : कुवि के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निर्देशानुसार इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. धर्मवीर को 13 जून से आगामी तीन वर्षो के लिए इतिहास विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इसके साथ ही डॉ. धर्मवीर एकेडमिक कौंसिल तथा फैकल्टी ऑफ सोशल सांइसिज के सदस्य होंगे तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज के विभागाध्यक्ष भी होंगे। डॉ. धर्मवीर ने इस नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त किया।

डिजिटल लॉकर के माध्यम से मिलेगी विद्यार्थियों को डिग्री

कुवि परिसर : विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा आटोमेशन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए डिजिटल लॉकर सेवा प्रारम्भ की गई है जिसके लिए प्रत्येक छात्र की एबीसी आईडी आवश्यक है।

डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, परीक्षा नियंत्रक ने जानकारी देते हुए कहा कि सत्र 2021 से उत्तीर्ण हुए सभी छात्रों को अपनी एबीसी आईडी अवश्य बनवानी चाहिए और इसे संबंधित विभागाध्यक्षध निदेशक को प्रस्तुत करना चाहिए। एबीसी आईडी के बिना छात्रों की डिग्री और डीएमसी डिजिलॉकर पर अपलोड नहीं की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि सभी छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी एबीसी आईडी का विवरण संबंधित विभाग को गूगल फॉर्म या ईमेल के माध्यम से शीघ्र प्रस्तुत करें, जैसा कि विभाग द्वारा निर्देशित किया गया है।

परीक्षा नियंत्रक ने एबीसी आईडी की अनिवार्यता पर जोर देते हुए यह स्पष्ट किया कि छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को समय पर और सही तरीके से डिजिलॉकर पर अपलोड करने हेतु एबीसी आईडी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिनांक 6 मार्च 2025 के डी.ओ. पत्र (सं.एफ–1–50 2021(एबीसी / एनएडी) का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि 2024 के किसी भी माह में आयोजित परीक्षाओं / मूल्यांकन का डेटा जून 2025 तक एपीएएआर (एबीसी) आईडी से मैप करते हुए अप. लोड किया जाना अनिवार्य है। इसके पश्चात कोई संशोधन संभव नहीं होगा।

फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन

कुवि परिसर : इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा 4 सप्ताह के फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन यूजीसी एमएमटीटीसी की निदेशक प्रो. प्रीति जैन के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीन प्रो. नीलम ढांडा ने बताया कि फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम द्वारा शिक्षकों को कुछ नया सीखने का अवसर प्राप्त होता है जिससे शिक्षण विधि में सहायता मिलती है।

कोर्स कोर्डिनेटर डॉ. अनिल खटकड़ ने बताया कि इस कार्यक्रम में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर आईएमएस के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल, डॉ. जय किशन चंदेल, डॉ. सलोनी पी दिवान, डॉ. संगीता धीर मौजूद थे।

Words of impact, honored with pride—World Red Cross Day celebration at KU.

Book released :co-authored by educators of.

Introducing Tarang — the new sound of UIET, launchedat Excelsior 2025!

KU marks Ahilyabai Holkar's 300th birth anniversary with a lecture on her contribution to the nation

Two forces of Ahilyabaiion, one mission - VC Prof. S Sachdeva & Baba Ramdev spreading the power of Yoga!

Tech talks to catwalks – UIET Excelsior 2025 had it all!

Together for nature – NSS Sakora campaign organized to support campus birdlife.

Celebrating careers of purpose and passion — farewell to KU's retiring family.

A tribute to timeless vision - VC Prof. S. Sachdeva's homage to Pandit Nehru.

Editor. Dr. (Prof.) Maha Singh Poonia, Director, INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION AND MEDIA TECHNOLOGY, KURKSHETRA UNIVERSITY, KURKSHETRA, Editorial Committee: Dr. Abhinav Kataria, Asst. Prof., Dr. Tapesh Kiran, Asst. Prof., Dr. Pardeep Rai, Asst. Prof., Mr. Rahul Arora, Asst. Prof., Mr. Amit Jangra, Asst. Prof., IMC&MT, Published By The Registrar, Kurkshetra University, Kurkshetra. E-mail id- newsletter@kuk.ac.in